अध्यक्षीय वक्तव्य
46वीं वार्षिक आम बैठक

एनएचपीसी NHPC

25 अगस्त, 2022

देवियो और सज्जनो,

मेरे निदेशक मंडल के सहयोगी सदस्यों की ओर से, मुझे 46वीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का स्वागत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। जैसा कि आप जानते है हम कोविड महामारी के दु:खद प्रभाव से उबरे हैं, इस बात के अधिक प्रमाण हैं कि भारत में बड़े स्तर पर टीकाकरण कार्यक्रम ने हमें महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने में सहायता की है। मैं आपके और आपके प्रियजनों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं और आपसे आग्रह करता हूं कि आप अपना और अपने परिवार के सदस्यों को पूरी तरह से टीका लगवाएं।

हमने अभी अपनी आजादी के 75 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं। एक शक्तिशाली, व्यवसाय संपन्न, समृद्ध और आत्मविश्वास से भरा भारत का उदय हो रहा है; यह दुनिया के शीर्ष देशों में अपनी जगह बनाने के लिए तैयार है। हमारा भाग्य, पहले से कहीं अधिक, हमारे साथ है। मैं अपने जीवन काल में ही एक विकसित भारत देखने की आशा करता हूं। जैसे–जैसे हम समृद्धि के पथ पर अग्रसर होंगे और जैसे–जैसे हमारे लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा, वैसे–वैसे ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जाएगी। तथापि, इस विद्युत मांग के अधिकांश हिस्से को ऊर्जा के स्वच्छ एवं हरित स्रोतों से पूरा करना होगा। मानवीय गतिविधियों का पर्यावरण पर प्रभाव पड़ना एक वैश्विक वास्तविकता है। प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए, दुनिया भर में अधिकांश मांग को पूरा करने के लिए ऊर्जा के हरित एवं नवीकरणीय स्रोतों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। आपकी कंपनी ने हमेशा से हरित ऊर्जा का समर्थन किया है और हमारी सारी विद्युत केवल हरित स्रोतों से ही उत्पन्न होती है। हम हरित भविष्य के लिए भारत के ऊर्जा पारेषण में सबसे आगे रहे हैं और आगे भी रहेंगे। भारत में सबसे बड़ी जलविद्युत उत्पादन कंपनियों में से एक होने के नाते, हम आने वाले वर्षों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

मुझे आपके साथ यह बात साझा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि आपकी कंपनी ने एक और वर्ष समग्र रूप से शानदार प्रदर्शन किया है। पिछले दो वर्ष चुनौतीपूर्ण रहे हैं और इस विजय को प्राप्त करने के लिए हमें अपने पूरे सामर्थ्य, सरलता और प्रतिबद्धता की जरूरत थी। हमारी टीमों ने बहुत कुशलता से कार्य किया और यह हमारे वित्तीय और प्रचालन प्रदर्शन में परिलक्षित हुआ है।

निष्पादन एवं उपलब्धियां:

वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान, हमारे पावर स्टेशनों ने उल्लेखनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने अपना अब तक का सर्वोच्च वार्षिक संयंत्र उपलब्धता कारक (पीएएफ) और अब तक का दूसरा सबसे अधिक वार्षिक ऊर्जा उत्पादन हासिल किया है। महामारी से उत्पन्न अनेक चुनौतियों के बावजूद हमारी निर्माण परियोजनाओं की प्रगति भी समान रूप से अच्छी रही है। आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में अब तक का सबसे अधिक 5166 करोड़ रुपये का वार्षिक पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) प्राप्त किया है।

लगातार तीसरे वर्ष, हमें रिकॉर्ड वार्षिक लाभ हुआ है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में हमने वित्तीय वर्ष 2020-21 में 3,245 करोड़ रुपये की तुलना में 9% की वृद्धि दर्ज करते हुए, कर पश्चात 3,538 करोड़ रुपये (एकल आधार पर) का वार्षिक लाभ अर्जित किया जो अब तक का सबसे अधिक अर्जित लाभ है। हमारे लक्ष्य उन्मुख दृष्टिकोण और हमारे पावर स्टेशनों के कुशल प्रचालन के कारण यह संभव हुआ है। प्रचालन और वित्तीय मोर्चों पर मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- 23,540 मिलियन यूनिट की डिजाइन ऊर्जा के मुकाबले 24,855 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन।
- एनएचपीसी के पावर स्टेशनों ने अब तक का उच्चतम 88.19% वार्षिक पीएएफ दर्ज किया।
- लाभांश के माध्यम से भारत सरकार के राजकोष में 1,183.05 करोड़ रुपये का नकद योगदान (वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 249.44 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश और वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 933.61 करोड़ रुपये का अंतरिम लाभांश) दिया गया।
- चमेरा–I पावर स्टेशन (540 मेगावाट), हिमाचल प्रदेश के लिए इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) के प्रतिभूतिकरण के माध्यम से भावी नकदी प्रवाह के मुद्रीकरण के लिए एचडीएफसी बैंक के साथ समझौता। चमेरा–I पावर स्टेशन के 10 वर्षों के भावी नकदी प्रवाह के मुकाबले मुद्रीकरण सौदे से 1,016.39 करोड़ रुपये का वर्तमान मूल्य प्राप्त हुआ है।

इसके अतिरिक्त, निरंतर विकास सुनिश्चित करने के लिए कार्यनीतिक दृढ़ इच्छा के अनुरूप, आपकी कंपनी ने निम्नलिखित विकासात्मक कदम उठाए है:

- जम्मू एंड कश्मीर स्टेट पावर डेवलपमेंट विकास कॉरपोरेशन लिमिटेड से 11 दिसंबर, 2021 को 1856 मेगावाट की सावलकोट जलविद्युत परियोजना का अधिग्रहण किया गया।
- ''ओडिशा में विभिन्न जल निकायों पर 500 मेगावाट की फ्लोटिंग सौर परियोजनाओं के विकास'' के लिए ग्रीन एनर्जी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ऑफ ओडिशा लिमिटेड (जीईडीसीओएल) के साथ प्रमोटर्स एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। एनएचपीसी और जीईडीसीओएल के बीच संयुक्त उद्यम में प्रस्तावित इक्विटी भागीदारी 74:26 के अनुपात में होगी। पूरी होने पर यह परियोजना विश्व की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सोलर परियोजना में से एक होगी।
- राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड और राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के साथ ''राजस्थान में 10000 मेगावाट अक्षय ऊर्जा पार्क / परियोजनाओं के विकास'' के लिए आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

- आंध्र प्रदेश सरकार ने 6600 मेगावाट की संस्थापित क्षमता की सात पंप स्टोरेज परियोजनाओं को आवंटित करने की सहमति दी है। इन परियोजनाओं को एनएचपीसी और राज्य सरकार के बीच संयुक्त उद्यम के माध्यम से विकसित किया जाएगा।
- विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को प्रारंभ करने के लिए एनआईटी दुर्गापुर की सेवाओं का लाभ उठाने के लिए एनआईटी दुर्गापुर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया।
- इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) द्वारा आयोजित ई–रिवर्स नीलामी में सीपीएसयू स्कीम, चरण–II, भाग–III के तहत 44.90 लाख / मेगावाट की व्यवहार्यता अंतराल वित्तपोषण (वीजीएफ) पर 1000 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना प्राप्त की।

विकास पथ

भारत में विद्युत की मांग को बढ़ाने के लिए सतत आर्थिक विकास की आवश्यकता है। हमारी सुदृढ़ बैलेंस शीट और हमारी परियोजना कार्यान्वयन क्षमताओं पर हमें विश्वास है कि हम बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। हमारे विकास पथ को आकार देने में प्रमुख तत्व इस प्रकार हैं:

- हमारे परियोजना स्थलों पर निर्माण कार्यों में तेजी लाना।
- परियोजनाओं के प्रमुख संविदा अवार्ड में तेजी लाना।
- पाइपलाइन के अधीन विभिन्न परियोजनाओं के लिए अपेक्षित मंजूरी/ अनुमोदन प्राप्ति में तेजी लाना।
- हम पड़ोसी देशों में व्यापार के अवसरों, विशेष रूप से जलविद्युत विकास के अपने मुख्य विशेषज्ञता के क्षेत्र में निरंतर उचित अवसर तलाश रहे हैं। इस संबंध में, एनएचपीसी लिमिटेड ने निवेश बोर्ड नेपाल, नेपाल सरकार के साथ काठमांडू, नेपाल में 18.08.2022 को नेपाल में पश्चिम सेती (750 मेगावाट) तथा सेती नदी 6 परियोजना (450 मेगावाट) नामक दो जल विद्युत परियोजनाओं के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा विद्युत् उत्पादन कम्पनी लिमिटेड (VUCL) के साथ 480 मेगावाट की फुकेट कर्णाली जल विद्युत परियोजना के संयुक्त उपक्रम के द्वारा विकास के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर जल्द ही अपेक्षित हैं।
- एनएचपीसी ग्रीन हाइड्रोजन व्यवसाय में उपयुक्त उद्यम की भी खोज कर रही है।
- एनएचपीसी पंप स्टोरेज परियोजनाओं के विकास के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ सार्थक चर्चा कर रही है।

आपकी कंपनी अपने व्यवसाय में विविधता ला रही है और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित करने के लिए भी प्रयास कर रही है। हमारा इरादा वर्ष 2030 तक भारत सरकार द्वारा निर्धारित गैर–जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500 गीगावाट स्थापित क्षमता लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का है। तदनुसार, हमने इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अपनी रुचि दिखाते हुए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की विभिन्न योजनाओं के तहत आने वाले बड़े पैमाने पर अनेक परियोजनाओं की पहचान की है।

दृष्टिकोण–आगे आने वाले अवसर

किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए ऊर्जा सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक है। आर्थिक विकास और विद्युत की खपत एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। इसीलिए, भारतीय अर्थव्यवस्था के स्थायी विकास को सुनिश्चित करने के लिए विद्युत के क्षेत्र में समुचित वृद्धि आवश्यक है। प्रत्याशित आर्थिक विकास के अलावा, तेजी से बढ़ता औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और मध्यम वर्ग के बढ़ते हुए स्तर से आगे आने वाले समय में बिजली की मांग अधिक बनी रहेगी।

आज दुनिया ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तन की तेज रफ्तार देख रही है जिसमें नवीकरणीय संसाधनों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित है। हमारा देश इस कम कार्बन प्रबलता वाले मॉडल, जो मुख्य रूप से सौर और पवन ऊर्जा द्वारा संचालित होते हैं, को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जहां तक ग्रिड की स्थिरता बनाए रखने का संबंध है, बिजली के अनिरंतर संसाधनों का वर्धित एकीकरण कठिन प्रश्न उत्पन्न करेंगे। ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने की अपनी अनूठी क्षमता के साथ जल विद्युत ऐसे परिदृश्यों के लिए एक रेडीमेड समाधान है। इसलिए, आपकी कंपनी सौर और पवन के बृहत एकीकरण को जल विद्युत क्षेत्र के लिए एक अवसर के रूप में देखती है। इस क्षेत्र में सबसे बड़ा और कुशल संगठन होने के नाते, आपकी कंपनी व्यवसाय की संभावनाओं और आपके लाभ के लिए इस अवसर से लाभ प्राप्त करने की क्षमता के लिए अपने सामर्थ्य के प्रति आशावादी है।

बड़े पैमाने पर राष्ट्र और समाज के लिए मूल्यवर्धन

आपकी कंपनी मानव, पृथ्वी और संगठनात्मक लक्ष्यों / संवर्धन का ध्यान रखते हुए धारणीयता विकास और समावेशी संवृद्धि में योगदान करने में विश्वास करती है। न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव के साथ राष्ट्र, हितधारकों और समाज के लिए मूल्यवर्धन करना आपकी कंपनी के सभी कार्यों में हमेशा मुख्य बिंदु रहा है। पर्यावरण और मानव के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे निगम के दृष्टिकोण और लक्ष्य, अपनाई गई नीतियों एवं प्रक्रियाओं से इसकी पुष्टि होती हैं।

हमारा प्रयास रहा है कि हमारी परियोजनाओं / पावर स्टेशनों के आसपास रहने वाले समुदायों और समाज के वंचित वर्गों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जाए। कंपनी की सीएसआर पहलों में कौशल विकास, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति, महिला सशक्तिकरण, क्षमता निर्माण, सामाजिक आधारभूत संरचना निर्माण आदि क्षेत्र की गतिविधियां शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान आपकी कंपनी ने अपनी सीएसआर पहलों के लिए 105.29 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जिसमें पीएम केयर्स फंड के लिए 30 करोड़ रुपए का योगदान शामिल है।

आपकी कंपनी हमेशा आंतरिक और साथ ही बाहरी हितधारकों के लिए आर्थिक विकास और उनके जीवन की बेहतर गुणवत्ता में और बड़े पैमाने पर समाज में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है ।

आपकी कंपनी शेयरधारकों के प्रति अपनी जिम्मेवारियों से अवगत है और लाभांश के रूप में लाभ के हिस्से के वितरण के माध्यम से उनके लिए धन सृजन में विश्वास करती है। इस एजीएम में आपकी स्वीकृति के अधीन, बोर्ड ने वर्ष 2021-22 के लिए 0.50/- रुपए प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। यह लाभांश मार्च, 2022 में भुगतान किए गए 1.31/- रुपए प्रति इक्विटी शेयर के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है। यह लगातार 13वां वर्ष है जब आपकी कंपनी लाभांश का भुगतान कर रही है।

कंपनी अभिशासन (कॉर्पोरेट गवर्नेंस)

आपकी कंपनी ने कंपनी पर लागू सभी नियामक प्रावधानों जैसे कंपनी अधिनियम, 2013, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 (सेबी एलओडीआर), सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई), भारत सरकार द्वारा जारी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशा-निर्देशों का और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अन्य निर्देशों / दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करके कॉर्पोरेट गवर्नेंस की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाया है, जहां तक अनुपालन कंपनी के दायरे में हैं। आपकी कंपनी नियामकों, कार्मिकों, ग्राहकों, विक्रेताओं, निवेशकों और बड़े पैमाने पर समाज सहित सभी हितधारकों के लिए पारदर्शिता, जवाबदेही, नैतिक कॉर्पोरेट व्यवहार और निष्पक्षता सुनिश्चित करके कॉर्पोरेट गवर्नेंस के उच्चतम मानकों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुरस्कार और सम्मान

पुरस्कार सुधार, उत्कृष्टता और आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा के रूप में कार्य करती है। आपकी कंपनी को विभिन्न मंचों पर पुरस्कार के तौर पर पहचान मिली है जैसे :

- वित्त वर्ष 2020-21 के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा ''इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कंस्ट्रक्शन सेक्टर-500 करोड़ टर्नओवर के बराबर या उससे अधिक'' श्रेणी में 'फाइनेंशियल रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता' के लिए गोल्ड शील्ड से सम्मानित किया गया। कंपनी ने ''सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं'' श्रेणी में साउथ एशियन फेडरेशन ऑफ एकाउंटेंट्स (एसएएफए) से 'सर्वश्रेष्ठ वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुति' के लिए मेरिट प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किया है।
- एनएचपीसी की राजभाषा पत्रिका 'राजभाषा ज्योति' को वर्ष 2019-20 के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'क' क्षेत्र में 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (गृह पत्रिका)' के तहत 'प्रथम पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। एनएचपीसी को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के तहत राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य के लिए द्वितीय पुरस्कार भी प्रदान किया गया है।
- एनएचपीसी को नई दिल्ली में ईक्यू के पीवी इन्वेस्ट टेक इंडिया सम्मेलन और पुरस्कार समारोह के दौरान ईक्यू इंटरनेशनल द्वारा स्वर्ण श्रेणी में ''वर्ष के पीएसयू डेवलपर'' नामक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- एनएचपीसी को वाटर डाइजेस्ट वाटर अवार्ड्स, 2021-2022 में 'बांध पुनर्वास परियोजना के सर्वश्रेष्ठ कार्यान्वयन' की श्रेणी में 'विजेता' घोषित किया गया।
- एनएचपीसी को एईओएचडी (एसोसिएशन ऑफ एनवायर्नमेंटल एंड ऑक्यूपेशनल हेल्थ, दिल्ली) द्वारा पर्यावरणीय और व्यावसायिक स्वास्थ्य (ईएनओसीएच) के क्षेत्र में इसके अनुकरणीय योगदान को मान्यता देते हुए 'एईओएचडी ऑक्यूपेशनल हेल्थ एक्सीलेंस अवार्ड-सार्वजनिक क्षेत्र' से सम्मानित किया गया है।
- एनएचपीसी के 510 मेगावाट के तीस्ता-V पावर स्टेशन को इंटरनेशनल हाइड्रोपावर एसोसिएशन (आईएचए) द्वारा प्रतिष्ठित ब्लू प्लैनेट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। आईएचए लंदन स्थित गैर-लाभकारी सदस्यता संघ है जिसका संचालन 120 देशों में है।

मानव पूंजी

मानव पूंजी किसी भी संगठन का एक मूल्यवान संसाधन (संपत्ति) है। आपकी कंपनी के पास प्रतिबद्ध प्रोफेशनलों की उत्कृष्ट प्रतिभाशाली टीम है। आपकी कंपनी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को संगठन में शामिल करने, विकसित करने और बनाए रखने में सक्षम रही है। अपने प्रतिभा पूल के ज्ञान और कौशल के निरंतर उन्नयन के कारण संगठन का विकास होता हैं। आपकी कंपनी अपनी मानव पूंजी को अपने ज्ञान और कौशल में सुधार करने के लिए सर्वोत्तम अवसर प्रदान करती रही है।

आपकी कंपनी द्वारा हासिल की गई प्रगति अपने कर्मचारियों के अथक प्रयासों से संभव हुई है। मैं एनएचपीसी की सफलता के लिए सभी कर्मचारियों के समर्पण और योगदान की सराहना करता हूं।

मैं भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और राज्य सरकार के प्राधिकरणों और एजेंसियों, सीएजी के कार्यालय, लेखा परीक्षकों, बैंकरों और अन्य सभी हितधारकों को उनके निरंतर समर्थन और सद्भावना के लिए अपना विशेष धन्यवाद और आभार व्यक्त करता हूं। मैं अपने सभी सहयोगियों को उनके कुशल दृष्टिकोण, सहयोग एवं अपार प्रोत्साहन और एनएचपीसी की पूरी टीम द्वारा किए गए सामूहिक प्रयासों के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

जय हिन्द।

अभय कुमार सिंह
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
डीआईएन : 08646003